Lecture Notes

B. A. Part I

Paper 1st

Topic – Creativity & Intelligence

सृजनशीलता और बुद्धि

Dr. Kumari Sadhana Prasad

Associate Prof.

Dept. of Psychology

Q.-164 सृजनशीलता (Creativity) और बुद्धि (Intelligence)

Ans- बुद्धि के संदर्भ में एक समस्या यह है कि बुद्धि तथा सर्जनात्मक के बीच कैसा सम्बन्ध है। क्या सर्जनात्मक व्यक्ति (Creative person) के लिए तीव्र बुद्धि आवश्यक है? क्या तीव्र बुद्धि वाले सभी व्यक्ति सर्जनात्मक होते है? इन प्रश्नों के उत्तर ढूँढने के लिए आज लोग बड़े पैमाने पर शोध (research) में लगे हुए है। भारत तथा भारत के बाहर बड़ी तेजी से इस दिशा में शोध कार्य हो रहे हैं, मगर अब तक कोई निश्चित परिणाम नहीं मिल सका है। कुछ शोधकार्यों से पता चलता है कि बुद्धि तथा सर्जनात्मकता के बीच उच्च धनात्मक सह-संबंध (high positive correlation) है कुछ अध्ययनों से निम्न धनात्मक सह-संबंध और कुछ अध्ययनों से शून्य सह-संबंध का पता चलता है।

सर्जनात्मकता का तात्पर्य नई चीज की रचना करने की योग्यता है। इसका अर्थ नई विधि द्वारा समस्या को हल करने की योग्यता है। यदि कोई व्यक्ति नई वस्तु का निर्माण करता है, नई खोज करता है, समस्या-समाधान का नया तरीका निकालता है, तो कहा जायगा कि वह आदमी सर्जनात्मक (creative) है। Chaplin (1975) (चैपलीन) के अनुसार — "सर्जनात्मकता का तात्पर्य कला या यंत्र-विज्ञान में नई आकृतियों को उत्पन्न करने अथवा नवीन विधियों द्वारा समस्याओं को हल करने की योग्यता ही है।"

सर्जनात्मक व्यक्ति की एक बड़ी विशेषता बुद्धि है। इसमें कोई संदेह नहीं कि सर्जनात्मक या रचनात्मक कार्य के लिए बुद्धि आवश्यक है। परन्तु सर्जनात्मकता के लिए उच्च बुद्धि की आवश्यकता नहीं है। Getzels & Jackson (1972) (गेटजेल्स, जैक्सन) ने उच्च विद्यालयों के छात्रों पर अध्ययन किया और उनकी बौद्धिक योग्यता तथा रचनात्मक योग्यता के बीच .11 से .49 का सहसंबंध पाया। Barron (1961) (बैरोन) ने अपने अध्ययन में देखा कि लगभग 120 बुद्धि लब्धि से अधिक बौद्धिक योग्यता होने पर उसका कोई भी प्रभाव सर्जनात्मक क्रिया पर नहीं पड़ता है।